News

समाचार

Mango festival at ISKCON, East of Kailash (30th June) (ISKCON, East of Kailash)

Whatever is the best, must be offered foremost to the Lord. Summer season in India is the time for mangoes, the king of tropical fruits. India is known for innumerable varieties of this fruit. Thousands of kilograms of mangoes were offered to Sri Sri Radha Parthasarathi Temple. The aroma of ripened mangoes filled the temple hall. The altars of Sri Sri Gaura Nitai, Sri Sri Sita Rama Laxman Hanuman, and Sri Sri Laxmi Narsimhadeva, were adorned with baskets full of mangoes of several varieties. This offering was made with the love and devotion of many dedicated devotees.

इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश में आम्रोत्सव (30 जून) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भारत में ग्रीष्म ऋतु, उष्ण कटिबंधीय फलों के राजा आम का समय होता है। हमारा देश इस फल की असंख्य किस्मों के लिए जाना जाता है। जो भी सर्वोत्तम है, उसे सर्व प्रथम भगवान् को अर्पित किया जाना चाहिए। श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर में ११००० हजार किलो आम अर्पित किये गए। पके हुए आमों की सुगंध से मंदिर का प्राँगण भर गया। श्री श्री गौर निताई, श्री श्री सीता राम लक्ष्मण हनुमान एवं श्री श्री लक्ष्मी नरसिम्हदेव की वेदियाँ कई किस्मों के आमों से भरी टोकरियों से सजी हुई थीं। यह भेंट कई समर्पित भक्तों के प्रेम और भक्ति से निर्मित थी।

Girls Forum visit to Garhmukteshwar (30th June)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Away from everyday life in Delhi, 65 young girls from ISKCON Punjabi Bagh's Girl's Forum embarked on a trip to Garhmukhteshwar for a bath in the holy Garh Ganga on 30th June. Hearing devotees talk about the glories of Mother Ganga and Bharat Bhoomi fortified their understanding of the historical facts and their appreciation of the holy site. Where most people flock as tourists for sightseeing, the Girls Forum members learned about the etiquette and right consciousness in holy bathing - following the correct code of conduct and keeping an appropriate attitude is paramount when visiting a holy place for spiritually satisfying realizations. On the whole, the journey was packed with stimulating activities- singing, chanting, learning, and laughing.

Pushing the hills higher with Srila Prabhupada's books (June-July)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The book distribution party travelled to the hills of Himachal Pradesh with hearts full of enthusiasm, and a bus full of Srila Prabhupada's books. In close to a month, the team distributed over 3700 maha big books! The team made the small hill town of Solan as their base and moved around all surrounding areas including Shimla. Distributing among elders, youth, Buddhist monks, bachelors and couples, the team of travelling devotees didn't hesitate a bit to reach out to every last individual during their arduous travels.

इस्कॉन बालिका मंच की गढ़मुक्तेश्वर यात्रा (30 जून)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दिल्ली की रोजमर्रा की जिंदगी से दूर, इस्कॉन पंजाबी बाग के गर्ल्स फोरम की 65 युवा बालिकायें 30 जून को पवित्र गढ़ गंगा में स्नान के लिए गढ़मुक्तेश्वर की यात्रा पर निकलीं। भक्तों से माँ गंगा और भारत भूमि का गुणगान सुनने से ऐतिहासिक तथ्यों और पवित्र स्थल की महिमा के विषय में उनकी समझ सुदृढ़ हुई। जहाँ अधिकांश लोग दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए पर्यटकों के रूप में आते हैं, वहीं गर्ल्स फोरम के सदस्यों ने पवित्र स्नान में शिष्टाचार और उचित चेतना के विषय में सीखा - आध्यात्मिक रूप से संतुष्टिदायक अनुभूतियों के लिए किसी पवित्र स्थान पर जाते समय सही आचार संहिता का पालन करना और उचित रवैया बनाये रखना सर्वोपरि है। कुल मिलाकर, यात्रा उत्साह जनित गतिविधियों- गायन, जप, सीखना और हँसी-मज़ाक से भरी हुई थी।

श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों के वितरण द्वारा पर्वतों को श्रेष्ठता प्रदान करना (जून-जुलाई)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पुस्तक वितरण दल ने उत्साह पूर्ण हृदयों एवं श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों से भरी बस के साथ हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों की यात्रा की। लगभग एक महीने में, टीम ने 3700 से अधिक बड़ी पुस्तकें वितरित कीं ! पुस्तक वितरण दल ने सोलन के छोटे से पहाड़ी शहर को अपना आधार बनाया और शिमला सहित आसपास के सभी क्षेत्रों में घूमे। बुजुर्गों, युवाओं, बौद्ध-भिक्षुओं, कुंवारों और युगलों के मध्य पुस्तकों का वितरण करते हुए, यात्रा करने वाले भक्तों की टीम ने अपनी कठिन यात्रा के दौरान हर अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने में थोड़ा भी संकोच नहीं किया।

Srila Bhaktivinoda Thakura Disappearance Day (5th July)
(ISKCON, East of Kailash)

The disappearance day of Srila Bhaktivinoda Thakura was celebrated with Pushpanjali, kirtan, and feast. Devotees spent the day recapitulating the instructions of the great acarya, who became the pioneer of the Vaishnava tradition in the Modern era.

Gundica Marjana (6th July)
(ISKCON, East of Kailash)

The festival of Gundica Marjana was celebrated with much fervour and zeal. Cleaning every corner of the temple, devotees engaged in kirtan while doing so. The air was surcharged with bliss as people of all age groups were found scrubbing and mopping with the latent desire to clean their hearts too. This festival is a reminder of service being central to devotion and also how it is the main source of mercy of the Lord and the Vaishnavas.

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस (5 जुलाई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम् के साथ मनाया गया। भक्तों ने महान आचार्य के निर्देशों का स्मरण करते हुए दिन बिताया, जो आधुनिक युग में वैष्णव परंपरा के प्रणेता बने।

गुंडिचा-मार्जन (6 जुलाई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

गुंडिचा-मार्जन का त्योहार अत्यधिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। मंदिर के कोने-कोने की सफाई करते हुए श्रद्धालु कीर्तन में लगे रहे। वातावरण आनंद से सराबोर था क्योंकि सभी आयु वर्ग के लोग अपने हृदयों को साफ करने की अव्यक्त इच्छा के साथ रगड़ते और पोंछते पाए गए। यह त्योहार इस बात का स्मरण कराता है कि सेवा भक्ति का केंद्र है और यह भी कि यह भगवान् और वैष्णवों की दया का मुख्य स्रोत भी है।

गुंडिचा-मार्जन (6 जुलाई)
(इस्कॉन, द्वारका)

सभी भक्त मंदिर की वार्षिक सफाई एवं स्वच्छता हेतु एक साथ आए। उत्सव का आरंभ गुंडिचा-मार्जन के महत्व के विषय में सुनकर हुआ। इसके पश्चात प्रत्येक भक्त को मंदिर की सफाई की सबसे शुभ सेवा के लिए नामित किया गया। नवागंतुक से लेकर वरिष्ठ भक्त तक हर कोई भगवान् की सेवा में लगा हुआ था। भक्तों के प्रसन्नचित मुखमंडल पर सद्भाव और आनंद देखना सुखद था। श्री श्री रुक्मिणी द्वारिकाधीश को प्रसन्न करने हेतु भक्त गण अपनी सारी शक्ति लगा रहे थे।

Gundica Marjana (6th July)
(ISKCON, Dwarka)

All devotees came together for the annual cleaning and cleansing of the temple. The festival started with the hearing about the importance of Gundicha Marjana. This was followed by designating every devotee for the most auspicious service of cleaning the temple. From a newcomer to a senior devotee, everyone was engaged in the service of the lord. It was heartening to see the harmony and bliss on the smiling faces of devotees. Devotees were dovetailing all their energy to please Sri Sri Rukmini Dwarkadhish.

Ratha Yatra (7th July)
(ISKCON, East of Kailash)

This year too Lord Jagannatha, ventured out on the streets, with His brother Baladeva and sister, Subhadra, to win back those who have moved away from their eternal consciousness. Seated in decorated carts, the Divine Siblings were accompanied by chanting and dancing devotees, distributing prasadam, an embodiment of Their mercy.

Jagannath Rath Yatra (7th July)
(ISKCON, Dwarka)

On the day of the Rath Yatra procession of the Lord was taken over a wide radius of Dwarka. Every devotee wanted to touch the rope of the Lord's chariot and was eager to pull the cart of the lord. Devotees were chanting and dancing to the tunes of Hare Krishna maha-mantra. Lord came to shower mercy on every soul and this was seen practically as many people came out of their homes to take a glimpse of ever merciful lord. One of the attractions for the festival was also Lord Jagannath's Anand Bazaar. Special stalls were put up on temple premises where devotees could relish the

रथ यात्रा (7 जुलाई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस वर्ष भी भगवान् जगन्नाथ अपने भाई बलदेव और बहन सुभद्रा के साथ उन लोगों को वापस लाने के लिए सड़कों पर निकले, जो अपनी शाश्वत चेतना से दूर चले गए हैं। सजे-धजे रथों में बैठे, दिव्य भाई-बहनों के साथ मंत्रोच्चार और नृत्य करते हुए भक्त जन, उनकी दया का प्रतीक, प्रसाद वितरित कर रहे थे।

Mahaprasad of Lord Jagannath similar to Puri, Odisha. There were also some special Oriya dish stalls at the temple. The program was followed by melodious kirtan and sumptuous Prasadam.

Youth Congregation's Annual Trip
(ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh's Youth Congregation members travelled to the city of Dehradun in the company of H.G. Murali Krishna Prabhu (Co-President - ISKCON Punjabi Bagh) for their annual trip. 12 couples along with their children participated in this nourishing trip. The weekend trip included a dip in the Ganga at Haridwar and, a visit to Tapakeshwar Mahadev, Sahasradhara, and ISKCON Dehradun. The central theme of the trip was 'Proximity to Nature helps one remember the Supreme Lord'. The trip also entailed many quizzes, games, and activities for the kids. One of the highlights of the trip was also the discussion with H.G. Param Karuna Prabhu and his wife about their journey of building the new beautiful retreat centre at ISKCON Dehradun.

Mango Festival (7th July)
(ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka organized a grand mango festival as a special offering to their beloved lordships Sri Sri Rukmini Dwarkadhish. The festival featured the grand presentation of 5100kg of mangoes, symbolizing devotion and reverence to the divine lords.

जगन्नाथ रथ-यात्रा (7 जुलाई)
(इस्कॉन, द्वारका)

रथयात्रा के दिन भगवान् की यात्रा को द्वारका के एक विस्तृत दायरे में ले जाया गया। हर भक्त भगवान् के रथ की रस्सी को छूना चाहता था और भगवान् के रथ को खींचने के लिए उत्सुक था। भक्त हरे कृष्ण महामंत्र की धुनों का जाप कर रहे थे और नृत्य कर रहे थे। प्रभु हर जीव आत्मा पर दया बरसाने आए और यह व्यावहारिक रूप से देखा गया, जब कई श्रद्धालु लोग कृपालु प्रभु की एक झलक पाने हेतु अपने घरों से बाहर आए। उत्सव के आकर्षणों में से एक भगवान् जगन्नाथ का आनंद बाज़ार भी था। मंदिर परिसर में विशेष स्टॉल लगाए गए थे जहाँ भक्त ओडिशा के पुरी की ही भाँति भगवान् जगन्नाथ के महाप्रसाद का स्वाद ले सकते थे। मंदिर में कुछ विशेष उड़िया व्यंजनों के स्टॉल भी थे। कार्यक्रम के बाद सुमधुर कीर्तन और भव्य प्रसादम का आयोजन किया गया।

युवा ग्रहस्थ भक्तों की वार्षिक यात्रा
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग के युवा मंडल के ग्रहस्थ भक्तों ने अपनी वार्षिक यात्रा हेतु श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु (सह-अध्यक्ष - इस्कॉन पंजाबी बाग) के साथ देहरादून नगर की यात्रा की। आध्यात्मिक पोषण प्रदान करने वाली इस यात्रा में 12 युगल अपने बच्चों के साथ शामिल हुए। सप्ताहांत की यात्रा में, हरिद्वार में गंगा स्नान, टपकेश्वर महादेव, सहस्रधारा और इस्कॉन देहरादून की यात्रा शामिल थी। यात्रा का केंद्रीय विषय था 'प्रकृति से निकटता हमारे लिए ईश्वर के स्मरण में सहायक होती है'। यात्रा में बच्चों के लिए कई प्रश्नोत्तरी, खेल और गतिविधियाँ भी शामिल थीं। यात्रा का एक मुख्य आकर्षण परम करुणा प्रभु एवं उनकी पत्नी के साथ इस्कॉन देहरादून में नए सुंदर रिट्रीट सेंटर के निर्माण की उनकी यात्रा के विषय में चर्चा भी थी।

आम महोत्सव (7 जुलाई)
(इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका ने अपने प्रिय आराध्य श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश को विशेष भेंट के रूप में एक भव्य आम उत्सव का आयोजन किया। उत्सव में 5100 किलोग्राम आमों की भव्य प्रस्तुति की गई, जो दिव्य भगवान् के प्रति भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है।

ऐसी रथ यात्रा जो अनन्य है (13 जुलाई)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

जहाँ पवित्र पुरी नगर श्रद्धालुओं से गुंजायमान था, वहीं पंजाबी बाग की सड़कें भी नन्हें श्रद्धालुओं से गुलजार थीं। 13 जुलाई को, इस्कॉन पंजाबी बाग में द हरे कृष्ण संडे स्कूल के सबसे कम उम्र के भक्तों

A Rath Yatra like no other (13th July) (ISKCON, Punjabi Bagh)

While the holy city of Puri was buzzing with devotees, so were the streets of Punjabi Bagh. On July 13, a mini version of the Puri Rath Yatra was organized by the youngest devotees of The Hare Krishna Sunday School at ISKCON Punjabi Bagh. The event was entirely organized and activated by the teachers and students of the school, all aged below 15 years. From designing the cart to decorating the path, from sweeping the streets to sankirtans, every aspect of this special Rath Yatra was carried out by the kids under the guidance of their teachers. The air buzzed with fun, laughter and spontaneous love for the trio lords!

Ratha Yatra in the Temple Premises (14th July) (ISKCON, East of Kailash)

A ratha yatra within the temple premises was organized. The Deities were accompanied on a tour of the temple, with devotees singing and dancing to mellifluous tunes of the maha-mantra. ISKCON Namahatta devotees organized an Anand bazaar, with traditional delicacies. This provided an opportunity to savor prasadam, the means to attain liberation, in the dark age of Kali.

द्वारा पुरी रथ यात्रा का एक लघु संस्करण आयोजित किया गया। यह आयोजन पूर्ण रूप से स्कूल के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा आयोजित और सक्रिय किया गया था, जिनकी उम्र 15 वर्ष से कम थी। रथ को डिजाइन करने से लेकर पथ को सजाने तक, सड़कों पर झाड़ू लगाने से लेकर संकीर्तन तक, इस विशेष रथ यात्रा के प्रत्येक पहलू को बच्चों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में पूरा किया। वातावरण मौज-मस्ती, हँसी और देव विग्रहों के प्रति सहज प्रेम से गुंजायमान हो उठा !

मंदिर परिसर में रथ यात्रा (14 जुलाई) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

मंदिर परिसर में रथ यात्रा का आयोजन किया गया। भगवान के साथ मंदिर का भ्रमण कराया गया, जिसमें भक्तगण महामंत्र की मधुर धुनों पर नाचते-गाते चल रहे थे। इस्कॉन नमहट्टा के भक्तों ने पारंपरिक व्यंजनों के साथ आनंद बाजार का आयोजन किया। इसने कलियुग में मोक्ष प्राप्ति के साधन प्रसाद का आनंद लेने का अवसर प्रदान किया।

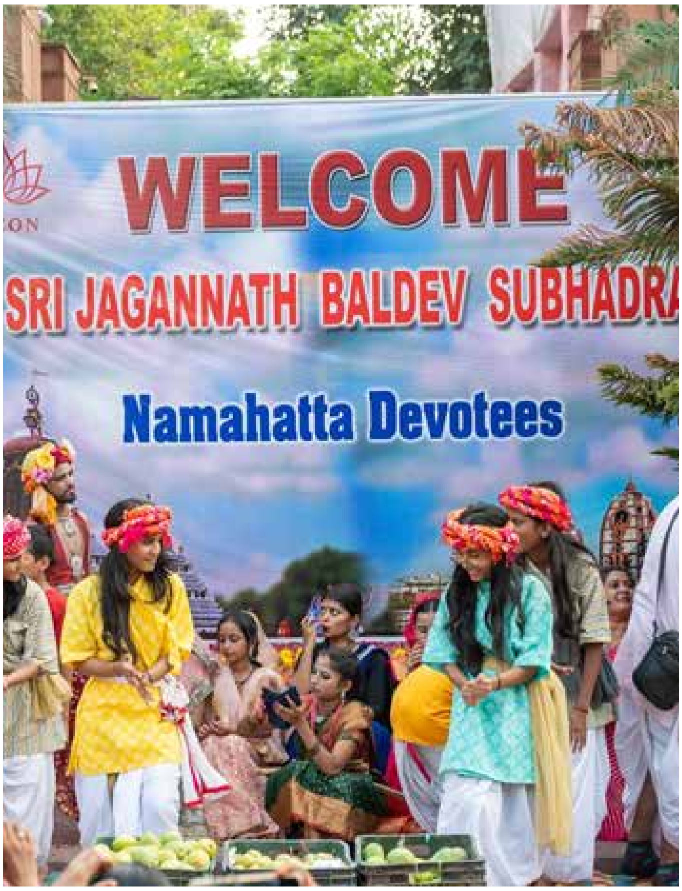

Child Protection Training sessions (20th -21st July) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh organized Child Protection Training sessions for all the members of its community during the weekend of 20-21 July. The sessions were organized in collaboration with ISKCON India Child Protection Office which works to promote the safety and care of children in ISKCON campuses and devotee families. The sessions were conducted by Daivi Prakriti Mataji, from Solapur. She is currently the Co-Director of the ISKCON Child Protection Office in Bharat. With over 30 years of experience as a professional social worker in the field of criminal justice, she has dedicated her career to the reformation and rehabilitation of young male and female offenders, juvenile offenders, and women rescued from prostitution. Additionally, she has conducted numerous training and sensitization workshops for officials in the police, judiciary, and prison departments.

Disappearance day of Srila Sanatana Goswami The first month of Caturmasya begins on (21st of July)

Srila Sanatana Goswami was the seniormost of the six Goswamis. Giving up an opulent life as a Minister in the court of the Nawab of Bengal, Srila Sanatana Goswami, chose a life of a mendicant to preach the cult of bhakti to the unfortunate people of Kaliyuga. His disappearance was celebrated with pushpanjali, kirtan, and feast. Devotees remembered the teachings of the great acarya and prayed for his mercy and favour.

The first month of Caturmasya began on the 21st. In the month of Sravana, devotees abstain from the consumption of green leafy vegetables.

बाल संरक्षण प्रशिक्षण सत्र (20-21 जुलाई) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग ने 20-21 जुलाई के सप्ताहांत के दौरान अपने समुदाय के सभी सदस्यों के लिए बाल संरक्षण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। सत्र इस्कॉन इंडिया बाल संरक्षण कार्यालय के सहयोग से आयोजित किए गए थे जो इस्कॉन परिसरों और भक्त परिवारों में बच्चों की सुरक्षा और देखभाल को बढ़ावा देने हेतु कार्यरत है। सत्र का संचालन सोलापुर की दैवी प्रकृति माताजी द्वारा किया गया। वह वर्तमान में भारत में इस्कॉन बाल संरक्षण कार्यालय की सह-निदेशक हैं। आपराधिक न्याय के क्षेत्र में एक पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, उन्होंने अपना करियर, युवा पुरुष और महिला अपराधियों, किशोर अपराधियों और वैश्यावृत्ति से बचाई गई महिलाओं के सुधार और पुनर्वास हेतु समर्पित किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पुलिस, न्यायपालिका एवं जेल विभागों के अधिकारियों हेतु कई प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यशालाएँ आयोजित की हैं।

श्रील सनातन गोस्वामी का अप्रकट दिवस चातुर्मास्य का प्रथम मास प्रारंभ (21 जुलाई)

श्रील सनातन गोस्वामी छह गोस्वामियों में सबसे वरिष्ठ थे। बंगाल के नवाब के दरबार में मंत्री के रूप में एक शानदार जीवन छोड़कर, श्रील सनातन गोस्वामी ने कलियुग के दुर्भाग्यपूर्ण लोगों को भक्ति के पंथ का प्रचार करने हेतु एक भिक्षुक का जीवन चुना। उनके लीला प्रविष्ट होने का महोत्सव पुष्पांजलि, कीर्तन और भोज प्रसादम् के साथ मनाया गया। भक्तों ने महान आचार्य की शिक्षाओं का स्मरण किया एवं उनकी कृपा और दया प्राप्ति हेतु प्रार्थना की।

चातुर्मास्य का पहला महीना 21 तारीख को प्रारम्भ हुआ। श्रावण माह में भक्त हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से परहेज करते हैं।

Youth Forum's Dhriti Camp
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Aptly organized - 'Determined to Practice', Dhriti -the annual camp of the IYF at ISKCON Punjabi Bagh was conducted at Haridwar this year. The 15-day camp targeted each youth devotee who got connected through youth outreach throughout the year. The camp invited each youth devotee at ISKCON Punjabi Bagh to come and reside with other devotees for as many days up to a maximum of 15 days. The camp aimed to provide a platform for spiritual learning - a platform where devotees could learn to chant better, learn to read Prabhupada's book in a better way, learn how to practically serve in devotional life, learn deity worship, learn musical instruments, learn how to cook, learn how to manage outreach program and much more! The camp was filled with sessions for practical advice from senior devotees like H.G. Rukmini Krsna Prabhu, H.G. Murali Krsna Prabhu, and H.G. Vaikuntha Vraja Prabhu. The camp helped the youth devotees cut off from everyday life and immerse themselves in learning higher spiritual science through practical wisdom and engagement.

International Value Education Olympiad 2024
(ISKCON, Punjabi Bagh)

The International Value Education Olympiad, organized for the last 5 years in association with the Ministry of Environment, Forest Climate Change and United Nations Environment program Faith for Earth opened its registrations for the 2024 edition on July 15. An annual Olympiad exam that saw participation from over 5.28 lakh students last year is aiming to maximize its reach this year by collaborating with several government organizations and agencies. The Olympiad is not only limited to India but sees participation from across the globe on its online platform. The exam is scheduled for 6th October this year, and registrations close on 30th September. Make sure to register yourself or your child at https://veolympiad.com/register

युवा मंच का धृति शिविर
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

उपयुक्त नारा दिया गया - 'अभ्यास के लिए दृढ़ संकल्प', धृति - इस्कॉन पंजाबी बाग में IYF का वार्षिक शिविर इस वर्ष हरिद्वार में आयोजित किया गया। 15 दिवसीय शिविर में प्रत्येक युवा भक्त को लक्षित किया गया जो पूरे वर्ष बाहरी युवाओं के माध्यम से जुड़ा रहा। शिविर ने इस्कॉन पंजाबी बाग में प्रत्येक युवा भक्त को अधिकतम 15 दिनों तक अन्य भक्तों के साथ आने और रहने के लिए आमंत्रित किया। शिविर का उद्देश्य आध्यात्मिक शिक्षा के लिए एक मंच प्रदान करना था - एक ऐसा मंच जहाँ भक्तगण उचित विधि से जप करना सीख सकें, प्रभुपाद की पुस्तक को सही विधि से पढ़ना सीख सकें, व्यावहारिक रूप से भक्ति जीवन में सेवा करना सीख सकें, विग्रहों की पूजा करना सीख सकें, संगीत वाद्ययंत्र सीख सकें, भोग बनाना सीख सकें। बाह्य संपर्क कार्यक्रम का प्रबंधन करना सीखें और भी बहुत कुछ ! शिविर, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु, श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु, एवं श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु जैसे वरिष्ठ भक्तों से व्यावहारिक परामर्श प्राप्ति के सत्रों से भरा हुआ था। शिविर ने युवा भक्तों को बाहरी जीवन से दूर रहने एवं व्यावहारिक ज्ञान तथा संलग्नता के माध्यम से उच्च आध्यात्मिक विज्ञान सीखने हेतु निमग्न होने में सहायता की।

इंटरनेशनल वैल्यू एजुकेशन ओलंपियाड 2024
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम फेथ फॉर अर्थ एवं पर्यावरण, वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से, पिछले 5 वर्षों से आयोजित, अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड ने, 15 जुलाई को 2024 संस्करण के लिए अपना पंजीकरण खोला। एक वार्षिक ओलंपियाड परीक्षा, जिसमें पिछले वर्ष 5.28 लाख से अधिक छात्रों द्वारा भागीदारी देखी गई थी, इस वर्ष कई सरकारी संगठनों एवं एजेंसियों के साथ सहयोग करके अपनी पहुँच को अधिकतम करने का लक्ष्य रखा है। ओलंपियाड केवल भारत तक ही सीमित नहीं है अपितु इसके ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर संसार भर से भागीदारी देखी जा रही है। इस वर्ष परीक्षा 6 अक्टूबर को निर्धारित है, और इसके लिए पंजीकरण 30 सितंबर को बंद हो जाएंगे। अतः निम्न लिंक पर अपना या अपने बच्चे का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। https://veolympiad.com/register

Srila Gopala Bhatta Goswami Disappearance Day (25th July)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Gopala Bhatta Goswami gave up everything, after meeting Chaitanya Mahaprabhu, when he stayed at his house, during the four months of Caturmasya. Dedicating his life to Mahaprabhu's mission, he went to Vrindavana, to fulfil His instructions, by resurrecting the places of pastimes of the Lord and engaging in producing literary works to guide the pursuers of the devotional path, in the future. His disappearance day was celebrated with Pushpanjali, kirtan, and feast.

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी अप्रकट दिवस (25 जुलाई)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी ने चैतन्य महाप्रभु से मिलने के उपरांत, जब वे चातुर्मास्य के चार महीनों के दौरान उनके घर पर रहे, सब कुछ त्याग दिया। महाप्रभु के मिशन के लिए अपना जीवन समर्पित करते हुए, वह उनके निर्देशों को पूरा करने हेतु, भगवान् की लीला-स्थलियों को पुनर्जीवित करके और भविष्य में भक्ति पथ के अनुयायियों का मार्गदर्शन करने को साहित्यिक कार्यों के निर्माण में संलग्न होने हेतु वृंदावन प्रस्थान कर गए। उनके अप्रकट होने का दिन पुष्पांजलि, कीर्तन तथा भोज प्रसादम् के साथ मनाया गया।

IYF organizes multi-college camp
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Youth Forum organized a 3-week camp starting 1st July for students from IP University, NIT Hamirpur and IIT Jammu. The camp was divided into two parts. The first part was based at IIT Mandi for 2 weeks where students were leaned into spiritual inquiry through the bridge of Artificial Intelligence and Machine Learning. This was taught by the professors of IIT Mandi who combined the new age science with a flavor of spiritual wisdom. The second part was based in Delhi where students resided at various BACE centres and allowed themselves to be immersed completely in spirituality.

IYF ने मल्टी-कॉलेज कैंप का आयोजन किया
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

यूथ फोरम ने आईपी यूनिवर्सिटी, एनआईटी हमीरपुर एवं आईआईटी जम्मू के छात्रों हेतु 1 जुलाई से 3 सप्ताह का शिविर आयोजित किया। शिविर को दो भागों में विभाजित किया गया था। पहला भाग 2 सप्ताह के लिए आईआईटी मंडी पर आधारित था, जहाँ छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग के माध्यम से आध्यात्मिक जिज्ञासा में प्रवृत्त किया गया। यह आईआईटी मंडी के प्रोफेसरों द्वारा सिखाया गया था, जिन्होंने नवीन युग के विज्ञान को आध्यात्मिक ज्ञान के पुट के साथ संलग्न किया था। दूसरा भाग दिल्ली में आधारित था जहाँ छात्र विभिन्न बेस-केंद्रों में रहते हैं तथा स्वयं को पूर्ण रूप से आध्यात्मिकता में निमग्न रखते हैं।

Upcoming events:

आगामी कार्यक्रम

Jhulan festival begins (16th August)

The month of Sravan is defined by light showers. This weather is perfect for the swing festival to serve the Divine Couple with a cool breeze. Reverberating mahamantra, and decorated swings, are reminders of the kunjas where Radha and Krishna perform Their pastimes, eternally. The Jhulan festival will be organized, in the temple. The deities will be offered a resplendent swing, adorned by aromatic flowers. Devotees will offer their service to Their Lordships, by pulling the ropes. This festival will culminate on 19th August, the appearance day of Lord Balarama.

Disappearance day of Srila Rupa Goswami (17th August)
(ISKCON, East of Kailash)

Srila Rupa Goswami is credited to be the Goswami, who

झूलन उत्सव प्रारम्भ (16 अगस्त)

श्रावण माह की पहचान वर्षा की फुहारों से होती है। ठंडी हवा के साथ दिव्य युगल की सेवा हेतु झूलन उत्सव के लिए यह मौसम पूर्णतः उपयुक्त है। गूँजते महामंत्र और सजाए गए झूले, उन कुंजों का स्मरण कराते हैं जहाँ राधा और कृष्ण शाश्वत रूप से अपनी लीलाएं करते हैं। मंदिर में झूलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। विग्रहों को सुगंधित फूलों से सजाकर, भव्य झूले पर बिठाया जाएगा। भक्त गण रस्सियाँ खींचकर, अपने आराध्य को अपनी सेवा प्रदान करेंगे। इस उत्सव का समापन 19 अगस्त को भगवान् बलराम के प्राकट्य दिवस पर होगा।

श्रील रूप गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस (17 अगस्त)
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील रूप गोस्वामी को ऐसे गोस्वामी होने का श्रेय जाता है,

completely understood the mood of Chaitanya Mahaprabhu. Knowing 'sri-caitanya-mano-'bhishtam', he left literary guides for the followers of the devotional path. Providing an insight into every aspect of bhakti, he is the acharya of abhisheka, delineating the process of bhakti. His disappearance day will be celebrated with the reminiscing of his tenets for the execution of devotional service in the perfect mood. A Pushpanjali will be performed amidst kirtan and chanting of the holy name.

Appearance day of Lord Balarama (19th August)

Lord Balarama is the first expansion of Lord Krishna. As is evident from His name, He is the embodiment of spiritual strength. Being the Adi-Guru, He is the giver of the will to surrender, serve a bonafide Guru and continue one's spiritual practices with enthusiasm and ever-deepening faith. Lord Balarama serves in various forms- as Sesha (the Lord's bed), and as musical instruments, to name a few. His appearance day will be an opportunity to re-centre spiritual practices, with renewed dedication. An Adivasa ceremony will precede an elaborate abhishek in the temple, resonating with chanting.

Second month of Caturmasya begins (20th August)

The second month of Caturmasya, abstinence from the consumption of curd, will begin on the 20th of August.

Janmashtami (26th August)

The most auspicious appearance of Lord Krishna will be celebrated on 26th August. The Lord promises to appear for the pleasure of His devotees, again and again, to re-establish the principles of dharma. This most divine celebration includes the decoration of the temple with festoons and flowers, the adornment of deities in regal attires and jewels as well as innumerable other festivities, that devotees will engage in. In weeks week-long program, people will enjoy Krishna Katha in the temple hall. A cultural program with plays and musicals based on the pastimes of the Lord will be staged. An Adivasa ceremony will be performed to evoke all auspiciousness. Janmashtami will see lacs of believers visiting the temple. A day-long festival of kirtan and chanting will culminate with an opulent abhishek conducted at midnight. Devotees will serve, chant, hear and immerse themselves in spiritual activities, with the desire to progress on the path of bhakti.

Appearance day of Srila Prabhupada (27th August)

Srila Prabhupada travelled to America, to deliver the gift of Krishna consciousness, to the West. He is the deliverer of those who were shrouded by the dark principles of atheism and materialism. Igniting devotion and disseminating Vedic culture, Srila Prabhupada is one of the most well-known sages of Modern times. His contribution to the spread of Bhakti globally is recognized by people from all walks of life: scholars, politicians, social reformers, and educationists. Presenting the science of devotion to all, Srila Prabhupada is credited to have made the Hare Krsna mantra, easily available to this yuga's misguided and ill-informed populace. His appearance day will be celebrated with abhishek, glorification, and kirtan.

जिन्होंने चैतन्य महाप्रभु की मनोदशा को पूर्ण रूप से समझा था। 'श्री-चैतन्य-मनो-'भीष्टम्' को जानकर, उन्होंने भक्ति मार्ग के अनुयायियों हेतु साहित्यिक मार्गदर्शन प्रदान किया। भक्ति की प्रत्येक विधा में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए, उन्होंने भक्ति की प्रक्रिया को चित्रित किया है और वे अभिधेय के आचार्य हैं। उनके अप्रकट होने का दिन उत्तम भाव में भक्ति के निष्पादन के उनके सिद्धांतों के स्मरण के साथ मनाया जाएगा। कीर्तन और पवित्र नाम के जाप के मध्य पुष्पांजलि भी अर्पित की जाएगी।

भगवान् बलराम का प्राकट्य दिवस (19 अगस्त)

भगवान् बलराम, भगवान् कृष्ण के प्रथम विस्तार हैं। जैसा कि उनके नाम से सुस्पष्ट है, वह आध्यात्मिक शक्ति का अवतार हैं। आदि-गुरु होने के नाते, वह समर्पण करने, एक प्रामाणिक गुरु की सेवा करने तथा उत्साह एवं निरंतर गहन विश्वास के साथ किसी की आध्यात्मिक साधना को सुचारु रखने की इच्छा के दाता हैं। भगवान् बलराम विभिन्न रूपों में सेवा करते हैं - जिनमें से कुछ के नाम, शेष (भगवान् की शैया) के रूप में तथा संगीत वाद्ययंत्र के रूप आदि में। उनका प्राकट्य दिवस अपनी आध्यात्मिक साधना को पुनः समर्पण के साथ, नए सिरे से केंद्रित करने का सुअवसर होगा। मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ गूँजते हुए, एक विस्तृत अभिषेक से पहले एक अधिवास समारोह आयोजित किया जाएगा।

चतुर्मास्य का दूसरा महीना प्रारंभ (20 अगस्त)

चातुर्मास्य का द्वितीय मास 20 अगस्त से आरंभ होगा।

जन्माष्टमी (26 अगस्त)

26 अगस्त को भगवान् श्रीकृष्ण का अत्यंत मंगलमय प्राकट्योत्सव मनाया जाएगा। भगवान् अपने भक्तों की प्रसन्नता एवं धर्म के सिद्धांतों की पुनर्स्थापना हेतु बार-बार प्रकट होने का वचन देते हैं। इस सर्व दिव्य उत्सव में मंदिर को बंदनवार एवं फूलों से सजाना, देवी-देवताओं को शाही पोशाकों एवं गहनों से सजाना और साथ ही अनगिनत अन्य उत्सव शामिल हैं, जिनमें भक्तगण शामिल होंगे। सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में, लोग मंदिर हॉल में कृष्ण-कथा का आनंद लेंगे। भगवान् की लीलाओं पर आधारित नाटकों और संगीत के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन किया जाएगा। सर्व-मंगल के आवाहन हेतु एक अधिवास समारोह आयोजित किया जाएगा। जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालु मंदिर में आएंगे। दिनभर चलने वाला कीर्तन और जप का उत्सव आधी रात को भव्य अभिषेक के साथ संपन्न होगा। भक्त जन भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने की इच्छा से सेवा करेंगे, जप करेंगे, श्रवण करेंगे तथा आध्यात्मिक गतिविधियों में निमग्न रहेंगे।

श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (27 अगस्त)

श्रील प्रभुपाद ने पश्चिम को कृष्ण भावनामृत का उपहार देने हेतु अमेरिका की यात्रा की। वह उन लोगों के उद्धारकर्ता है जो नास्तिकता और भौतिकवाद के अंधे सिद्धांतों से घिरे हुए थे। भक्ति की अलख जगाने वाले और वैदिक संस्कृति का प्रसार करने वाले श्रील प्रभुपाद आधुनिक समय के सबसे प्रसिद्ध संतों में से एक हैं। विश्व स्तर पर भक्ति के प्रसार में उनके योगदान को जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों, : विद्वान, राजनेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद् द्वारा मान्यता प्राप्त है। सभी के लिए भक्ति का विज्ञान प्रस्तुत करते हुए, श्रील प्रभुपाद को, हरे कृष्ण मंत्र को, इस युग के गुमराह और भ्रमित जनमानस हेतु आसानी से उपलब्ध कराने का श्रेय दिया जाता है। उनका प्राकट्य दिवस अभिषेक, गुणगान और कीर्तन के साथ मनाया जाएगा।

GLORIES OF LORD BALARAMA

Who is Lord Balarama?

The Supreme Personality of Godhead, Krishna, is the fountainhead of all incarnations. Lord Balarama is His second body. They are both one and the same identity. They differ only in form. Balarama is the first bodily expansion of Krishna, and He assists in Lord Krishna's transcendental pastimes. He is the source of the entire spiritual world and is the adi-guru, the original spiritual master.

He assumes five other forms to serve Lord Krishna. He Himself helps in the pastimes of Lord Krishna, and He does the work of creation in four other forms called the catur-vyuha (four armed) forms known as Vasudeva, Sankarshana, Pradyumna and Anirudha. He executes the orders of Lord Krishna in the work of creation, and in the form of Lord Sesa He serves Sri Krishna in various ways. In all the forms He tastes the transcendental bliss of serving Krishna. No one can approach Krishna without first getting the mercy of Baladeva.

Descent of Balarama

Whenever Krishna appears in the material world, He is accompanied by His associates and paraphernalia. Five thousand years ago when Krishna descended into the material world, He was first preceded by Baladeva. Only after Baladeva give His mercy did Krishna descend, such is the intimate relationship between Krishna and Baladeva.

When Baladeva appeared as the seventh child in the womb of Devaki, she could understand that this was a divine child and this made her all the more concerned about His safety. Even Kamsa could sense His potency and he became fearful, thinking he may have been tricked by the prophecy that he will be slain only by the eight child of Devaki. At this time Krishna instructed Yogamaya, His internal potency, to transfer the unborn child from the womb of Devaki to that of Rohini, one of the other wives of Vasudeva, who was hiding from Kamsa in the house of Nanda Maharaja in Gokul.

In this way Balarama was born in Gokul under the protection of Nanda Maharaja. Garga Muni the venerable kulguru (family priest) of the Yadu dynasty revealed to Rohini that the child she was carrying was indeed that of her husband Vasudeva. At the time of the name-giving ceremony he named the child Rama, one who gives all pleasures. Referring to the immense strength of the child, Garga Muni predicted that He will also be known as Balarama (bala meaning strength). Since He was forcibly attracted from the womb of Devaki to that of Rohini, He was also be called Sankarshana. As the son of Rohini He was known as Rohini-nandan and as the elder brother of Krishna He was also called Douji.

The form of Lord Balarama

Powerful Lord Balarama is sixteen years old, full of the luster of youth and has a fair complexion the color of crystal. He wears blue garments and a garland of forest flowers. His handsome hair is tied in a graceful topknot. Splendid earrings adorn His ears and His neck is splendidly decorated with garlands of flowers and strings of jewels. Splendid armlets and bracelets ornament Douji's graceful and very strong arms and His feet are decorated with splendid jeweled anklets.

Lord Balarama's beauty is enhanced by the earrings touching His cheeks. His face is decorated with tilaka made from musk, and His broad chest is ornamented with a garland of gunja. Balarama's voice is very grave and His arms are very long, touching His thighs

The splendor of Lord Balarama's transcendental form eclipses many millions of glistening rising moons, and the slightest scent of His boundless strength is sufficient to destroy many armies of demons. Although He knows the supernatural power of His younger brother, Krishna, still, out of love for Him, He never leaves Krishna alone in the forest even for a moment. Balarama is Sri Krishna's dearest friend and is a great reservoir of the nectar mellows of many kinds of transcendental pastimes.

Mercy of Lord Balarama

Lord Balarama exemplifies the service attitude to Krishna. His only mission is to please Krishna by rendering service to Him, whether it is in the creation of the material worlds, maintaining the spiritual world or as His personal paraphernalia.

Lord Balarama is the eternal companion of Sri Krishna. He came as Lakshmana with Rama and later as Nityananda Prabhu with Caitanya Mahaprabhu. He is the original spiritual master, and any one desiring to make spiritual progress must first get the mercy of Lord Balarama.

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center 12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**